भगवन आस लगाए कब से

भगवन आस लगाए कब से,
देखो बाट निहारे है,
फसी है बीच भवर नईया,
भगवन तुमको पुकारे है।।

दर दर ठोकर मैंने खाई,
दर दर जाकर ज्योत जलाई,
अब तो सुन लो मेरी पुकार,
भगवन बाट निहारे है,
भगवन आस लगाए कब से,
देखो बाट निहारे है।।

मैं पापी मुझे देदो सहारा,
दूर बसनो से देदो किनारा,
भगवन आस लगाए कब से,
देखो बाट निहारे है,
अब तो सुन लो मेरी पुकार,
भगवन बाट निहारे है,
भगवन आस लगाए कब से,
देखो बाट निहारे है।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24548/title/bhagvan-aas-lagaye-kab-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |